Page 1

B A I

4th Sem

Paper II

MJC-5 Abnormal Psychology.

Topic – परिपक्वता की कसौटी या दृष्टिकोण।

view point of abnormality criteria of Maturity.

असमानता की यह तीसरी मुख्य दृष्टिकोण है इसका मूल आधार, शारीरिक, मानसिक और संवेगात्मक रूप से परिपक्व होने का स्तर है कि जिसका निर्धारण व्यक्ति की उम्र, यौनभेद, समयविशेष में सामाजिक अपेक्षाएँ (Social expectat... आदर्श आदि आधारों किया जाता है। जो व्यक्ति इन आधारों के स्तर के अनुरूप सोचता-विचारता है, व्यवहार करता है या प्रत्यक्षीकरण करता है उसे सामान्य तथा जिन व्यक्तियों के सोच विचार, व्यवहार या प्रत्यक्षीकरण (Perception) निर्धारित स्तर/मान से जितना ही कम होता है, उन्हें उतना ही गंभीर रूप से असामान्य व्यक्ति कहा जाता है।

इस दृष्टिकोण की एक विशेषता यह है कि परिपक्वता के स्तर (Level of maturity) को प्रमाणिक ढंग से मापा जा सकता है। अतः सामान्य या असामान्य व्यक्तियों के बीच मात्रात्मक भिन्नता को आसानी से समझा जा सकता है।

इस दृष्टिकोण की दूसरी विशेषता यह है कि सामान्य व्यवहार की परिपक्वता व व्यक्तित्व के पूर्णरूपेण संगठित होने का परिचय मिलता है तथा परिपक्वता का सामान्य से भिन्न होना व्यक्तित्व के असंगठन का सूचक होता है। अतएव, इस कसौटी से संगठित और असंगठित या बिखरे हुए व्यक्तियों की पहचान करना संभव है लेकिन इस कसौटी में भी एक कमी है परिपक्वता का उपयुक्त स्तर सुनिश्चित करना मुश्किल है क्योंकि यह समय, स्थान और परिस्थिति पर निर्भर रहता है. अतः कभी-कभी इस दृष्टिकोण के आधार पे सामान्य और असामान्य व्यक्तियों को सही पहचान करने में दिक्कत होता भी

Kumar Patel
Maharaja College, Arrah